

भारत का राजपत्र

The Gazette of India



१८९८

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 267] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई, 22, 1989/JYAI SHTHA 1, 1911

NO. 267] NEW DELHI, THURSDAY, MAY 22, 1989/JYAI SHTHA 1, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

श्रधिमूचनाएँ

नई दिल्ली, 22 मई, 1989

मा. का. नि. 562 (अ) :-- केन्द्रीय भरकार भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908
1908 का 15) की धारा 34 द्वारा प्रदत्त अधिकारों परों। हरों हुए उन्हें अधिनियम
। धारा 36 के तहत नियुक्त प्राधिकारी से परामर्श करते के पश्चात् बम्बई के महापत्तन
। लिए तटीय जडाजों को (बम्बई महापत्तन के भीतर चलने वाले बत्तरों को छोड़कर)
जुलाई, 1988 से 30 जून, 1989 तक की अवधि के लिए बम्बई महापत्तन पर उन्हें अधि-
नियम की धारा 33 के तहत बसूल की जाने वाली कुल ५३। देशांत्रों के 10% (दस प्रतिशत)
। बराबर पत्तन देयताओं के भुगतान से छूट देती है।

[फा. सं. पी आर-14011/8/89-पी जी]

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 22nd May, 1989

G.S.R. 562 (E).—In exercise of the powers conferred by section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government, after consulting the authority appointed under section 36 of the said Act for the Major Port of Bombay, hereby exempts the coastal vessels (except the barges plying within the Major Port of Bombay) from the payment of port dues equal to 10% (ten percent) of the total port dues, leviable under section 33 of the said Act at the Major Port of Bombay, for the period from 1st July, 1988 to 30th June, 1989.

[File No. PR 14011/8/89-PG].

सा. का. नि. 563 (अ) :-केन्द्रीय सरकार भारतीय पतन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा तटीय जहाजों (बम्बई से महा पतन के भीतर चलने वाले व जर्मने को छोड़कर) के मामले में 1 जुलाई, 1988 से 30 जून, 1989 तक की अवधि के लिए पायलटेज शुल्क से, जो बम्बई महापतन पर उक्त धारा की उपधारा (1) के तहत वसुने जाने वाले पायलटेज शुल्क के 10% (दस प्रतिशत) के बराबर है, छूट देती है।

[फा. सं. पी आर - 14011/8/89 - पी जी]
योगेन्द्र नारायण, संयुक्त सचिव

G. S. R. 563 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby remits, in the case of the coastal vessels (except the barges plying within the Major Port of Bombay), the fees for pilotage equal to 10% (ten per cent) of the fees for pilotage chargeable under sub-section (1) of the said Section at the Major Port of Bombay for the period from 1st July, 1988 to 30th June, 1989.

[File No. PR-14011/8/89-PG]
YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.